Abdul Qaish

लोकतंत्र (Democracy)

आधुनिक समय में शासन की सर्वोत्तम प्रणाली के रूप में लोकतंत्र विश्व के अधिकांश देशों में प्रचलित है। लोकतंत्रीय विचारों का इतिहास उतना ही पुराना है जितना की राजनीतिक विवादों का इतिहास। यूनानियों के द्वारा विचारित तथा 17 वीं शताब्दी में इंग्लैंड के प्यूरिटन आन्दोलन के द्वारा विकसित इस अवधारणा ने 18 वीं सदी में अमरीकी तथा फ्रांसीसी क्रान्तियों के प्रकाश में सर्वव्यापी समर्थन प्राप्त कर लिया है। वर्तमान समय में लोकतंत्र ने अपने आप को एक आदर्श रूप में स्थापित कर लिया है। आज प्रत्येक व्यक्ति तथा राज्य अपने आपको लोकतांत्रिक होने का न केवल दावा करता है बल्कि गर्व का अनुभव भी करता है।

हिन्दी का शब्द लोकतंत्र अंग्रेजी भाषा के शब्द Democracy का रूपांतर है जिसकी उत्पत्ति यूनानी भाषा के दो शब्दों Demos + Kratia से हुई है जिसका अर्थ लोगों का शासन है, दूसरे शब्दों में कहें तो लोकतंत्र का अर्थ जनता का शासन है। विभिन्न विद्वानो ने इसे अपने-अपने दृष्टिकोण से परिभाषित किया है जो निम्नलिखित है:-

लार्ड ब्राइस :⇒ इन्होने कहा है कि "प्रजातंत्र वह शासन प्रणाली है जिसमे शासन शक्ति किसी विशेष वर्ग या वर्गों में निहित न रहकर समाज के सदस्यों में निहित होती है।" वहीं एक अन्य विद्वान हैं मेजिनी :⇒ इन्होने कहा है कि "सर्वश्रेष्ठ और सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों के नेतृत्व में सबके द्वारा सबकी प्रगति का नाम ही प्रजातंत्र है।"

शासन की दृष्टि से लोकतंत्र दो प्रकार का होता है।

(1) प्रत्यक्ष प्रजातंत्र :⇒ प्रजातंत्र की यह प्रणाली उस समय ज्यादा प्रचलन में थी जब राज्यों का आकार छोटा तथा जनसंख्या कम थी जैसे प्राचीन यूनान के city state. इस तरह की प्रणाली में जनता सीधे शासन के कार्यों में भाग लेती है। वर्तमान समय मे स्विटजरलैंड के कुछ कैंटनों में यह प्रणाली अभी भी प्रचलित है, इसलिए इसे प्रत्यक्ष प्रजातंत्र का घर कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

(2) अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र :⇒ इसमें जनता शासन के कार्यों में सीधे भाग न लेकर अपने द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम शासन के कार्यों में भाग लेती है इसका प्रमुख कारण है राज्यों का बड़ा क्षेत्रफल तथा अत्याधिक जनसंख्या जिसके कारण लोग न तो सरलता से एक स्थान पर एकत्रित हो सकते हैं न ही किसी मुद्दे पर मतैकता स्थापित हो पाती है। आज के लोकतंत्र ही अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र के उदाहरण हैं।

लोकतंत्र की विशेषतायें

लोकतंत्र की कुछ विशेषताएं हैं जो निम्नलिखित है।

(क) एक से अधिक राजनीतिक दलों की उपस्थिति :⇒ लोकतंत्र में विभिन्न विचारधारा से संबंधित अनेक दल होते हैं जो अपनी नीतियों एवं कार्यक्रमों को व्यवहारिक रूप देने हेतु सत्ता प्राप्ति के लिए निरंतर संघर्ष करते हैं।

(ख) राजनीतिक पदों की खुली प्रणाली :⇒ इसमें विभिन्न राजनीतिक पद सबके लिए खुले रहते हैं। कोई भी नागरिक निर्धारित योग्यता पूर्ण कर विभिन्न राजनीतिक पदों के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर सकता है।

(ग) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव :⇒ लोकतंत्र में विभिन्न राजनीतिक पदों के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराये जाते है इसलिए एक स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं संवैधानिक निर्वाचन आयोग होता है।

(घ) निष्पक्ष न्यायपालिका :⇒ लोकतंत्र में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका होती है, जो न केवल नागरिकों के विभिन्न अधिकारों को सुरक्षित रखती है बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि राजनीतिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया निष्पक्ष हो।

(ङ) वयस्क मताधिकार :⇒ लोकतंत्र में सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के एक निर्धारित योग्यता (आयु, स्वस्थ चित्त प्राप्त करने के उपरांत मत देने का अधिकार होता है जिसके माध्यम से वे सरकार का चुनाव करते हैं।

Scanned with CamScanner

लोकतंत्र के गुण

(1) ⇒ लोकतांत्रिक शासन प्रणाली समानता एवं स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर आधारित होती है। इसमें व्यक्तियों के मध्य भेदभाव नहीं किया जाता है।

(2) ⇒ अन्य शासन प्रणालियों की तुलना में इस शासन प्रणाली में आम जनता के हितों का अधिकतम संवर्धन होता है।

(3) ⇒ जन शिक्षा हेतु सर्वोत्तम प्रणाली, इसमें स्वतंत्र चर्चा के फलस्वरूप लोगों का राष्ट्र की समस्याओं की जानकारी प्राप्त होती है तथा अपनी राय बनाने में आसानी होती है।

(4) ⇒ इस शासन प्रणाली में जनसहमति को अत्यधिक महत्व दिया जाता है।

(5) ⇒ लोकतांत्रिक शासन विश्वशांति का समर्थक है। यह युद्ध की निंदा करता है तथा आपसी विवादों को पारस्परिक सहयोग तथा बातचीत से हल करने का पक्षधर है।

(6) ⇒ इस शासन प्रणाली में विभिन्न विचारधाराओं पर आधारित अनेक राजनीतिक दल जनता को अधिक राजनीतिक विकल्प उपलब्ध कराते हैं।

लोकतंत्र के दोष

लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में विभिन्न गुणों के साथ-साथ कुछ दोष भी हैं जो निम्नलिखित हैं:-

(1) ⇒ प्लेटो, हेनरी मेन तथा लेकी जैसे विद्वान यह मानते हैं कि लोकतंत्र अयोग्य लोगों का शासन है क्योंकि यह योग्य तथा मूर्खों को एकसाथ शासन में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है।

(2) ⇒ लोकतंत्र गुण पर आधारित होने के बजाय संख्या पर आधारित शासन प्रणाली है।

(3) ⇒ इसमें भ्रष्ट नेतृत्व के कारण भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

(4) ⇒ लोकतंत्र एक खर्चीली शासन व्यवस्था है। इसमें जनमत को संगठित करने के लिए चुनाव में बहुत ज्यादा खर्चा आता है।

(5) ⇒ लोकतंत्र में स्थायित्व का अभाव होता है तथा सरकार में परिवर्तन

Scanned with CamScanner

के साथ-साथ शासन की नीतियां भी बदल जाती हैं।

लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्तें

(1)⇒ लोकतंत्र की सफलता के लिए पहली आवश्यक शर्त है नागरिकों की शिक्षा का एक स्तर होना चाहिए।

(2)⇒ लोकतंत्र के सफल संचालन के लिए देश में शान्ति और सुव्यवस्था का वातावरण होना चाहिए।

(3)⇒ लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक है कि नागरिकों का एक अच्छा आर्थिक स्तर होना चाहिए साथ ही साथ सामाजिक न्याय की भी पूर्ति होनी चाहिए।

(4)⇒ निर्वाचन समय पर तथा निष्पक्ष होना चाहिए।

(5)⇒ लोकतंत्र की रक्षा एवं सफल संचालन हेतु स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका होनी चाहिए।

(6)⇒ लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक है कि जनमत निर्माण के साधन जैसे- समाचार पत्र, पत्रिकाएं, न्यूज चैनल्स तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया पर किसी वर्ग विशेष का अधिकार न हो।

मूल्यांकन :⇒ विभिन्न प्रकार के दोषों के उपरांत भी यह शासन प्रणाली सर्वश्रेष्ठ है। इसमें व्याप्त दोषों को दूर कर इसे और अधिक निखारा जा सकता है। इस संदर्भ में प्रो० बर्न्स का कहना है कि जिस प्रकार मोटर कार के खराब होने पर हम बैलगाड़ी का सहारा नहीं ले सकते हैं ठीक उसी प्रकार लोकतंत्र में दोष होने पर उसे दूर करने की बजाय हम किसी अन्य शासन प्रणाली को अंगीकार नहीं कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner